LOK AWAAS YATRA

हर आवास प्रकृति के पास

लोक आवास यात्रा

LOK AWAAS YATRA

लोक आवास यात्रा ग्रामीण आवास से संबंधित चुनिंदा पहलों में प्राप्त की गई उपलब्धियों का जश्न मनाने की दिशा में उठाया गया एक कदम है। यह यात्रा पर्यावास विकास का ऐसा मार्ग तलाशने के लिए शुरू की गई है जिससे पर्यावरण को बिना नुकसान पहुंचाए लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ हो। इस यात्रा के क्रम में हम उन अनुभवों से सीखेंगे जो अधिक सम्पोषित, आपदा–रोधी तकनीकों से बने हों और ग्रामीण भारत के लोगों की जरूरतों के अनुरूप हों।

Lok Awaas Yatra is a journey to celebrate the achievements of select initiatives in rural habitat development that have improved the quality of life without environmental losses. The yatra has been initiated for exploring pathways towards ecohabitat. Most importantly, it promotes learning from the experiences of those villages and settlements that are more sustainable, disaster resistant and most suited to the needs of the people in rural India.

8 सितम्बर, 2009 से शुरू होने वाले इस प्रयास के अन्तर्गत पूरे भारत में पांच क्षेत्रों की यात्रा की जाएगी, और प्रत्येक क्षेत्र की इस यात्रा में तीन पथ बनाये जाएंगे। अंततः वर्ष 2010 में राष्ट्रीय स्तर पर **लोक आवासकर्मी सम्मेलन** आयोजित किया जाएगा। चुनी गई आवास और पर्यावास परियोजनाओं में निम्नलिखित बातें दर्शायी जाएंगीः

- उपयुक्त निर्माण प्रौद्योगिकियां
- ग्रामीण क्षेत्रों के लिए उपयुक्त सफाई और जल आपूर्ति तंत्र
- पर्यावास क्षेत्र में आजीविका के लिए की गई पहलें और
- संस्थागत प्रणालियां।

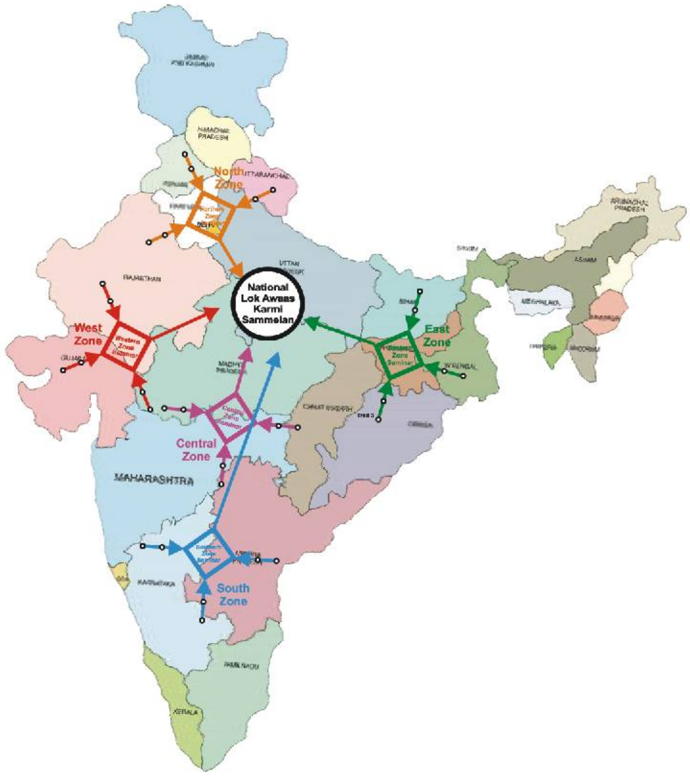

Starting from September 8, 2009 the five regional yatras across India, each with three trails, will finally converge as a **Lok Awaas Karmi Sammelan** at the national level in 2010.

The housing and habitat projects selected will demonstrate:

- appropriate construction technologies
- sanitation and water supply mechanisms suitable for rural areas
- livelihood initiatives in the habitat sector and
- institutional systems

लोक आवास यात्रा ही क्यों?

ग्रामीण भारत के सामने आज कठिन विकल्प मौजूद हैं। शहरों में विकास की प्रणाली पर आधारित अधिक ऊर्जा के उपयोग से विकास के परिणामस्वरूप उत्कृष्ट आधुनिक सुविधाएं प्राप्त होती हैं, लेकिन प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो जाते हैं। साथ ही, लोगों की दयनीय जीवन–दशा ज्यों की त्यों बनी रहती है, उसमें कोई परिवर्तन नहीं हो पाता तथा उन्हें आधारभूत सुविधाएं नहीं के बराबर नसीब हो पाती हैं। निर्माण–उद्योग प्रदूषण फैलाने वाला दूसरा सबसे बड़ा उद्योग है और भारत के सबसे बड़े नियोक्ताओं में से एक है, तो फिर पर्यावास के माध्यम से आजीविकाओं में वृद्धि करते हुए कार्बन की मात्रा हटाने का एक बड़ा अवसर भी मौजूद है।

लोक आवास यात्रा उस मध्यम मार्ग की तलाश करेगी, जो ग्रामीण समुदायों, पंचायतों, सरकारी विभागों और ग्रामीण अधिवास के कार्य में लगे लोगों द्वारा चलाये जाने वाले गैर सरकारी संगठनों द्वारा शुरू की गई पहलों के संदर्भ में सर्वोत्तम व्यवहारों के अनुरूप हो। इससे जरूरती, व्यवहारिक और जमीनी कार्य के बारे में सामान्य समझ कायम करने में मदद मिलेगी। नए तरीके से सोचने, पर्यावास विकास के नए मॉडल तैयार करने और नई प्रौद्योगिकी तथा नए साधन का उपयोग करने के उद्देश्य से शुरू की गई इस यात्रा के क्रम में ग्रामीण भारत के विस्तृत भागों में परिवेश पर्यावास विकास को अपनाये जाने की भारी संभावना है। इससे लोक केन्द्रित और कम कार्बन आधारित पर्यावास के लिए समर्थकारी नीतिगत वातावरण बनाने में योगदान मिलेगा।

लोक आवास यात्रा में आपको क्यों शामिल होना चाहिए?

आपको विभिन्न क्षेत्रों में मौजूद परियोजनाओं की पांच दिवसीय गहन और उत्साहपूर्ण यात्रा करने तथा वास्तविक भारत के प्रमुख संसाधन व्यक्तियों एवं विशेषज्ञों से बात–चीत करने का मौका मिल सकता है। सामूहिक सीख आधारित इस यात्रा में पंचायत नेता, सरकारी विभागों के कर्मी, सामाजिक विकास के व्यवसायी और छात्र, जमीनी स्तर के कार्यकर्त्ता और शिक्षाविद् आपके सहयात्री होंगे।

जहां लोक आवास यात्रा में पर्यावरणीय संपोषणीयता पर समग्र रूप से जोर दिया जाता है, वहीं उन पहलों पर भी ध्यान दिया जाता है जो निम्नलिखित बिन्दुओं को बढ़ावा देते हैं –

- **सामाजिक समानताः** यात्रा के अन्तर्गत उन मॉडलों को शामिल करने का प्रयास किया गया है जिससे पर्यावास विकास के मामले में सामाजिक समानता को बढ़ाने में सफलता मिली है क्योंकि पारम्परिक तौर पर विकास का लाभ समाज के बिल्कुल हाशिए पर पहुंचे लोगों तक मुश्किल से पहुंचता है।
- **जोखिम में कमीः** यह अनिवार्य हो गया है कि सभी नए भवन, अवसंरचना आदि आपदा से सुरक्षित हो और इस यात्रा में उन परियोजनाओं पर जोर दिया जाता है जिनमें जोखिम को दूर करने के तरीके दर्शाए गए हों।
- **जन सहभागिताः** यात्रा में उन परियोजनाओं को प्रमुखता दी गई है जिनमें जन सहभागिता का व्यापक आधार मौजूद हो और जहां विकास के मामले में स्थानीय नियंत्रण हो।

638365 गांवों, 28 राज्यों और एक राष्ट्र से सीखना

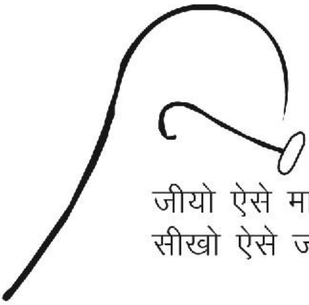

जीयो ऐसे मानो कल ही मरने वाले हो,
सीखो ऐसे जो कभी भूल ही ना सको।
–महात्मा गाँधी

Lok Awaas Yatra Themes
लोक आवास यात्रा के मुख्य बिन्दु

1 **Low Carbon Construction Technologies** focus on issues of technology selection, application and maintenance for building construction as well as operations that determine the extent to which habitat development can be 'green'.

कम कार्बन निर्माण प्रौद्योगिकियों के अंतर्गत प्रौद्योगिकी के चयन, निर्माण के क्रम में उनका अनुप्रयोग तथा रख रखाव के साथ–साथ प्रचालन पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है, जिससे यह निर्धारित होता है कि किस हद तक पर्यावास विकास हरा–भरा रखा जा सके।

2 **Habitat Infrastructure** explores infrastructure development that will enhance local skills, job creation, balanced regional growth and increasing economic worth in rural areas.

पर्यावास अवसंरचना के अधीन ऐसे अवसंरचना विकास की संभावना तलाशी जाती है जिससे स्थानीय कुशलता, रोजगार सृजन, संतुलित क्षेत्रीय विकास और ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक क्षमता में वृद्धि हो।

3 **Habitat-based Livelihoods** theme explores habitat initiatives that have created or supported 'green' livelihoods.

पर्यावास आधारित आजीविका के क्रम में पर्यावास की उन पहलों की तलाश की जाती है जिनसे प्रदूषण रहित आजीविका का सृजन हुआ हो अथवा ऐसा करने में मदद मिली हो।

Learning from 638365 Villages 28 States One Nation

"Live as if you were to die tomorrow
Learn as if you were to live forever"
—Mahatma Gandhi

4 **Water and Sanitation** looks at innovative solutions for water supply and sanitation as a part of a larger system of environmental health and sanitation - management of solid wastes, rainwater harvesting, and management of green spaces.

जल और स्वच्छता के अंतर्गत पर्यावरणीय स्वास्थ्य और स्वच्छता – ठोस अवशिष्टों के प्रबंधन, वर्षा जल संचयन और खुले हरित क्षेत्रों के प्रबंधन के एक भाग के रूप में जल आपूर्ति और स्वच्छता के नए ढंग से समाधान किए जाने पर ध्यान केन्द्रित किया गया है।

5 **Social Housing** looks at innovative implementation of government schemes targeted at housing and habitat development.

सामाजिक आवास के अंतर्गत आवास और पर्यावास विकास की अभिलक्षित सरकारी योजनाओं को नए ढंग से कार्यान्वित किये जाने की बात कही गई है।

6 **Disaster-safe Construction** is becoming an important consideration in planning of habitat. Post-disaster reconstruction is an opportunity to reduce the risk to lives and improve environmental performance of habitats.

आपदा से सुरक्षित निर्माण पर्यावास की आयोजना के क्रम में एक महत्वपूर्ण पहलू बनता जा रहा है। आपदा के पश्चात होने वाले पुनर्निर्माण से जीवन के जोखिमों को कम करने तथा पर्यावास के पर्यावरणीय स्थिति में सुधार करने का अवसर मिलता है।

Why a Lok Awaas Yatra?

Rural India today is facing difficult choices. Rapid energy intensive development using urban blueprints promise exciting modern amenities, but at the expense of natural resources. At the same time, the status quo of abysmal living conditions with little access to basic services remains. If construction is the second largest polluting industry in India and one of the largest employers, there exist huge opportunities for reducing carbon while increasing livelihoods through eco-habitat development.

Lok Awaas Yatra thus explores the middle path. It is a journey to best practice initiatives of village communities, panchayats, government departments and NGOs for the benefit of rural habitat practitioners. This will help build a common understanding of the practical groundwork required. Designed to put the limelight on new ways of thinking, new models of habitat development and new technology and tools, the yatra holds the promise of adoption of ecohabitat practices in large tracts of rural India. It will contribute to an enabling policy environment for people-centred and low carbon habitat.

Why should you join the Lok Awaas Yatra?

You can expect an exciting and intensive five days of visit to projects in the field and interaction with key resource people and experts in real India. In this journey of collective learning, your fellow travellers will be panchayat leaders, habitat practitioners, functionaries, development professionals and students, grass root workers and academia.

While the yatra has an overall thrust on environmental sustainability, it is strongly inclined towards initiatives that promote:

- **Social Equity:** The yatra attempts to include models that have succeeded in furthering social equity in habitat development as benefits of development seldom reach the marginalised in traditional approaches.
- **Risk Reduction:** It is imperative that all new buildings, infrastructure etc. are disaster safe and the yatra focuses on projects that demonstrate ways of addressing disaster risks.
- **People's Participation:** At the heart of the yatra are projects that have a strong base in people's participation and where there is local control over development.

पंजीकरण फार्म
REGISTRATION FORM

LOK AWAAS YATRA

मै लोक आवास यात्रा में सम्मिलित होना चाहता/चाहती हूँ (कृपया एक या अधिक उप–यात्राओं को चुनें)
I would like to join the Lok Awaas Yatra in the (please select one or more for the sub-yatras)

❑ उत्तरी क्षेत्र Northern Region
❑ मध्य क्षेत्र Central Region
❑ दक्षिणी क्षेत्र Southern Region
❑ पश्चिमी क्षेत्र Western Region
❑ पूर्वी क्षेत्र Eastern Region

मेरा विवरण नीचे दिया गया है
My details are given below :

नाम Name: ....
संगठन Organisation: ....
पता Contact Address: ....
....
....
फोन Tel: ....
मोबाईल Mobile: ....
ई–मेल Email: ....

मैं लोक आवास यात्रा में सम्मिलित होने का इच्छुक हूँ क्योंकि
I am interested to join the Lok Awaas Yatra because:
मैं हूँ I am a:

❑ पंचायत कर्मी Panchayat member
❑ स्थानीय प्रशासन अधिकारी Local administration official
❑ गैर सरकारी संगठन कार्यकर्त्ता NGO functionary
❑ छात्र Student

मैं निम्नलिखित रूप में यात्रा में योगदान दे सकता/सकती हूँ
I can contribute to the yatra in the following ways :

❑ वित्तीय सहायता Financial support
❑ स्थानीय आतिथ्य Local hosting
❑ जानकारी संकलन Knowledge compilation

मैं यात्रा में भाग लेने के लिए सहायता लेना चाहूँगा/चाहूँगी या फिर सहायता नहीं लेना चाहूँगा/चाहूँगी। मैं शुरूआती केन्द्र तक पहूंचने और समापन केन्द्र से वापस अपने खर्चे पर आने के लिए सहमत हूँ।
I would like / not like to be considered for assistance for participating in the yatra. I agree to travel to the starting station and return from the concluding station on my own.

हस्ताक्षर Sign.................
दिनांक Date..................

Organised by

basin South Asia

बेसिन–*दक्षिण एशिया* एक क्षेत्रीय मंच है जो ग्रामीण निर्धनों के लिए संपोषित पर्यावास उपलब्ध कराने की समस्या का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है और साथ ही निचली स्तर की एजेंसियों के साथ–साथ नीति–निर्माताओं को उनके दिशा–निर्देशों को लागू करने में जानकारी मुहैया कराती रही है, जिससे सभी के लिए पर्याप्त अधिवास की सुविधा उपलब्ध हो सके। यह विकास के उन विकल्पों को अपनाता है जिनका मिशन बड़े पैमाने पर आजीविकाओं के सृजन करने से गरीबी मिटाना और पर्यावरण को पुनर्जीवित करना हो।

basin-*South Asia* is a Regional Knowledge Platform committed to facilitating the access of the rural poor to sustainable habitat solutions and providing knowledge support to grassroots agencies and policy makers to implement their mandates around adequate habitat for all. It is housed in Development Alternatives whose mission is to reduce poverty and regenerate the environment through the creation of large-scale livelihoods.

वर्ष 2006–2007 में **बेसिन**–*दक्षिण एशिया* के सदस्यों ने ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के मार्ग–दर्शन और संरक्षण के अधीन भारत के लिए प्रथम राष्ट्रीय ग्रामीण आवास और पर्यावास नीति हेतु आधारभूत दस्तावेज तैयार किया था। यह मंच अगले कदम के रूप में लोक आवास यात्रा जो ग्रामीण पर्यावास के लिए अपनायी गयी अच्छी प्रक्रियाओं से सीखने हेतु लोक आवास यात्रा का आयोजन कर रहा है।

In 2006-07, basin-*SA* members prepared the base document for the first National Rural Housing and Habitat Policy for India under the guidance of Ministry of Rural Development, Government of India. As a next step, the platform is organising the Lok Awaas Yatra to learn from good practice initiatives in rural habitat.

Lok Awaas Yatra Partners

Knowledge WORKS

Southasia.oneworld.net

DUSTY FOOT PRODUCTIONS

Lok Awaas Yatra Supported by

bmtpc

bshf

Schweizerische Eidgenossenschaft
Confédération suisse
Confederazione Svizzera
Confederaziun svizra

Swiss Agency for Development and Cooperation SDC

Development Alternatives

basin-*South Asia* Secretariat
B-32 TARA Crescent, Qutab Institutional Area, New Delhi - 110016
+91 (0) 11 2686 1158, 2696 7938, 2680 1521
http://www.devalt.org, Email : basin@devalt.org